BHOOMI

PUTRA ORGANIC FERTILIZER

GLOBAL GREEN EARTH ®

ISO

100%
Organic Fertilizer

Magical Crop Growth

FOR ALL CROP

BHOOMI PUTRA
ORGANIC FERTILIZER

सूक्ष्म पोषक तत्व कि मात्रा -

Raw material	40%
Zinc	0.5%
Iron	0.4%
Calcium	3.8%
Copper	0.4%
Magnesium	0.7%
Manganese	1.2%
Potassium	5%
Sulfur	1.2%
Hydrogen	8%
Oxygen	15%
Nitrogen	10%
Phosphorus	1.5%
Molybdenum	3.5%
Boron	7%
Iodine	1.8%

लाभ -

1. भूमि की उपजाऊ क्षमता में वृद्धि हो जाती है।

2. सिंचाई अंतराल में वृद्धि होती है।

3. रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने से लागत में कमी आती है।

4. फसलों की उत्पादकता में वृद्धि।

5.बाज़ार में जैविक उत्पादों की मांग बढ़ने से किसानों की आय में भी वृद्धि होती है।

6. जैविक खाद के उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है।

7. भूमि की जल धारण क्षमता बढ़ती हैं।

8. फसल उत्पादन की लागत में कमी एवं आय में वृद्धि

उपयोग-

इस खाद को बीज की बुवाई के समय प्रयोग करें।

प्रयोग सभी फसल के लिए करें जैसे धान ,मुंग, उड़द, गेंहू केला इत्यादी। क्योंकि इसमें 16 प्रकार के सूक्ष्म पोषक तत्व पाए जाते हैं जिससे फसल के दानों में चमक तथा वजन बढ़ाने में मदद करता है।

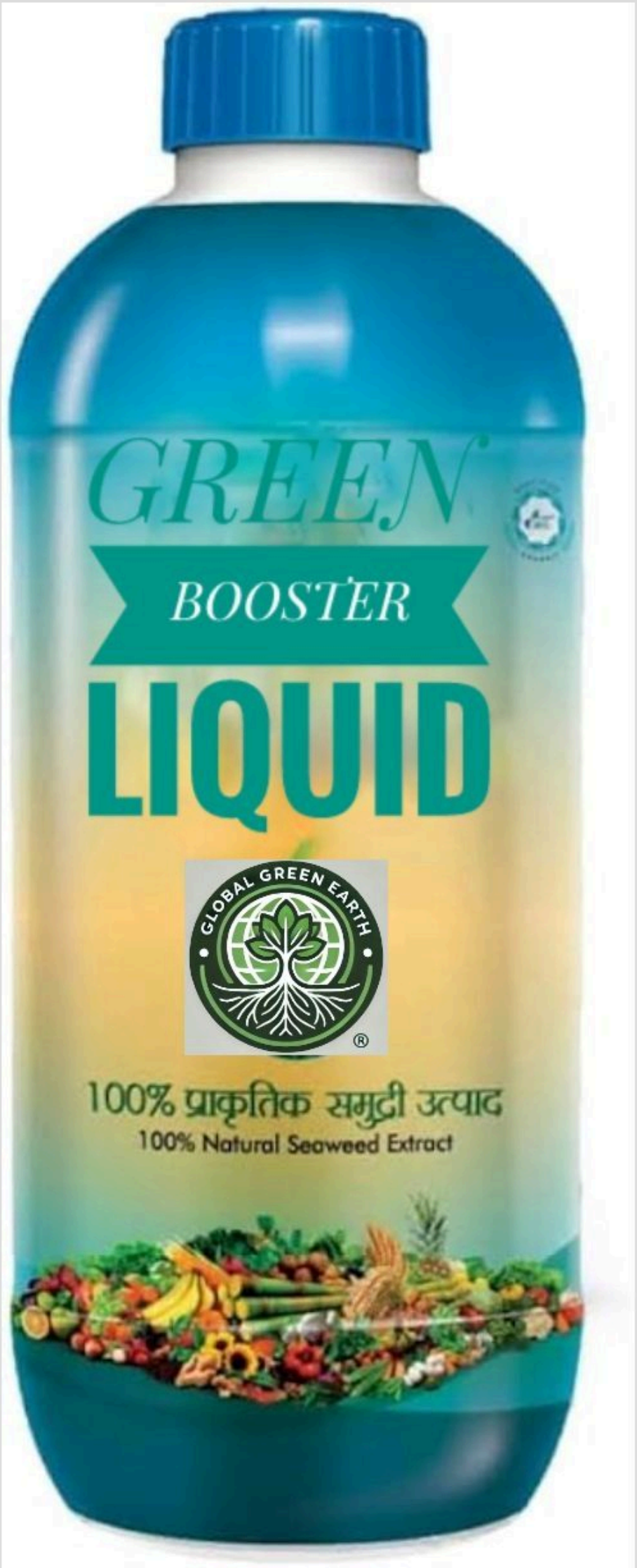
GREEN
BOOSTER
LIQUID
GLOBAL GREEN EARTH
100% प्राकृतिक समुद्री उत्पाद
100% Natural Seaweed Extract

GREEN BOOSTER LIQUID

परिचय- फसल की उत्पादकता को बढ़ाता है। इसे भारत के दक्षिण-पूर्वी तटों पर समुद्री जल में उगने वाले लाल और भूरे रंग के शैवाल से प्राप्त किया जाता है। एक जैविक उत्पाद है जो पौध वृद्धि प्रोत्साहक है क्योंकि इसमें पौध विकास हार्मोन्स जैसे के ऑक्सीन्स, सायटोकिनिंस, जिबरैलिन्स आदि पाए जाते हैं।

संघटक: कुल घुलनशील पदार्थों में 28% समुद्री शैवाल का रस (लाल और भूरे रंग का शैवाल), प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, अकार्बनिक लवण, विटामिन, प्राकृतिक हार्मोंज, बिटेंज, मैनीटोल और अन्य पोषक तत्व।

उपयोगी फसलें: यह सभी धान् फसलों, दलहन, तिलहन, फलों, सब्जियों, चीनी और रेशे वाली फसलों, बागवानी वाली फसलों, औषधीय और सुगंधित फसलों के लिए उपयुक्त है।

फायदे:-

1.यह संधारणीय कृषि के लिए उपयुक्त है।

2.उपापचय वर्द्धि कारक है जो फसल की बढोत और विकास में मदद करता है।

3.फसल की पैदावार को बढ़ाता है एवं पौधों को सम्पूर्ण पोषक तत्व प्रदान करता है जिसके परिणामस्वरूप पौधों की बढ़वार, जड़, तने, फल और फूलों आदि में वर्द्धि होती है

4.फसल की शारीरिक दक्षता को बढ़ाता है, जिससे पौधे मिट्टी से अधिक पोषक तत्वों का अवशोषण करते हैं।

5.उपज की गुणवत्ता को बढ़ाता है, यह फल का आकर, रंग एवं स्वाद की गुणवत्ता में वर्द्धि करता है।

6. फसल की विभिन्न प्रकार के तनाव जैसे रोग, कीट आदि के प्रति प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

उपयोग की विधि:

पहला छिड़काव - पौधों की रोपाई/ कल्ले निकलते के समय

दूसरा छिड़काव - फूल आने से पहले

तीसरे छिड़काव - फूल आने के बाद

उपयोग की मात्रा: फसल की अवस्था के अनुसार 800 मिलीलीटर प्रति एकड़ वा 12 - 15 मिलीलीटर एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

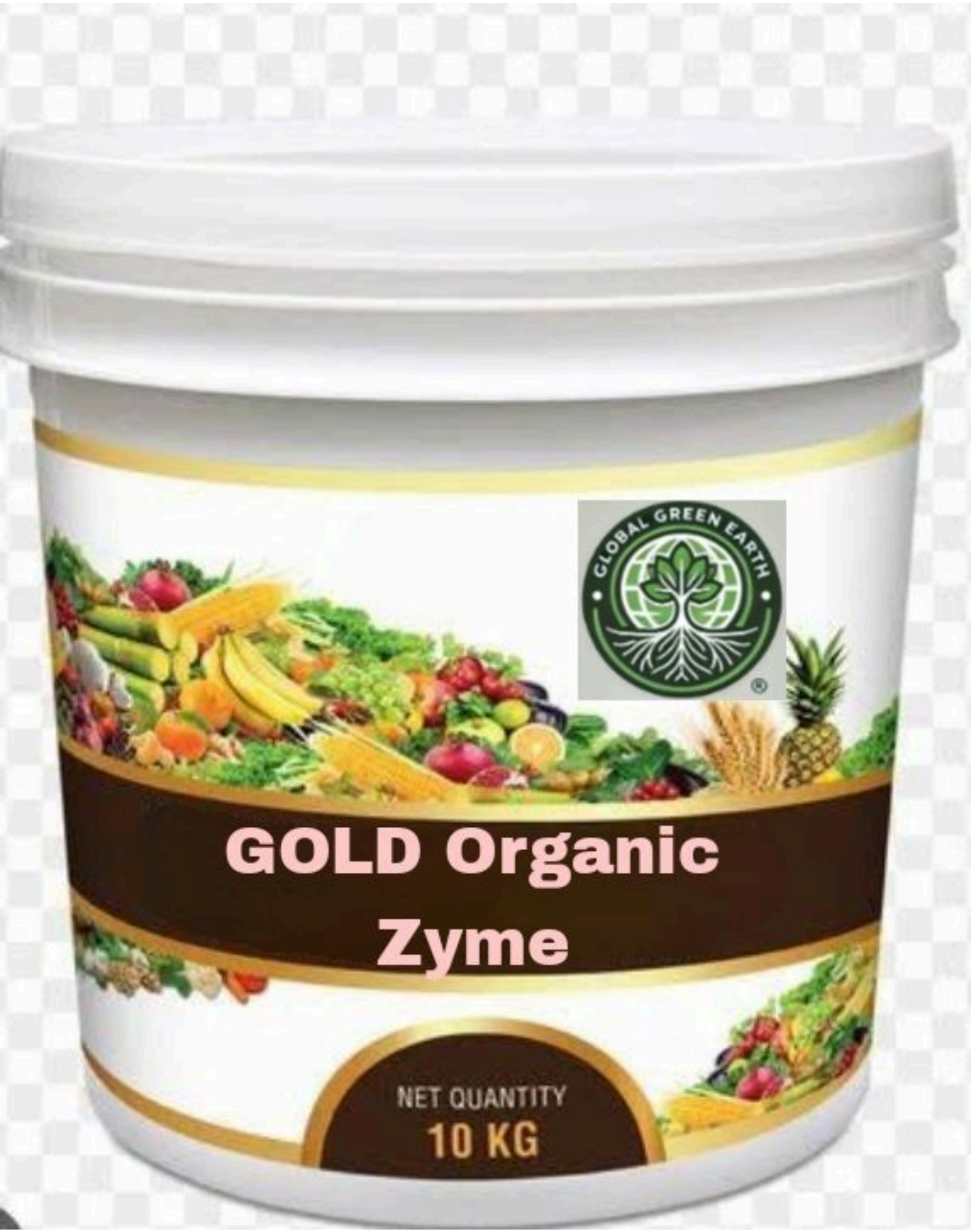
GLOBAL GREEN EARTH
GOLD Organic
Zyme
NET QUANTITY
10 KG

GOLD ORGANIC ZYME

परिचय- समुद्री खरपतवार का एक दानेदार रूप हैं जिसे समुद्री खरपतवार के रस से बनाया जाता हैं । इस रस में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, अकार्बनिक लवण, विटामिन और अन्य पोषक तत्व उपस्थित होते हैं जैसे पौध वृद्धि हार्मोन –आक्सीन, जिब्ब्रेलिन, साइटोकाइनिन, बीटेन, मैनीटोल इत्यादि। समुद्री खरपतवार के रस को ऐसे तत्वों के साथ मिलाया जाता हैं जो जिंक, बोरॉन, कैल्सियम से भरपूर होते हैं। समुद्री खरपतवारों का उत्पादन एवं कटाई गर्म एवं उष्ण क्षेत्रों (भारतीय महासागरों) में किया जाता हैं इसीलिए यह जैव-प्रोत्साहकों से भरपूर होता हैं। गर्म एवं उष्ण क्षेत्रों में उगे समुद्री खरपतवार से निर्मित दानेदार शीतोष्ण क्षेत्रों के खरपतवारों के रस की तुलना में अधिक असरकारी होता है।

उपयोग:- सभी फसलों के लिए उपयोगी हैं जैसे धान्, दलहन, तिलहन, फल-फूल, सब्जियों, शर्करा वाली फसलें (गन्ना एवं चुकंदर), रेशे वाली फसलें (कपास एवं जूट), बागान वाली फसलें, औषधीय फसलें और सुगंधित फसलें इत्यादि ।

लाभ-

1. दानेदार पौधे की उपापचयी क्रियाओं (Metabolic activity) को बढ़ाकर फसल उत्पादन एवं उत्पाद की गुणवत्ता को भी बढ़ाता हैं

2. यह पौधे को शुरुआती अवस्था में अधिकतम वृद्धि प्राप्त करने में मदद करता हैं ।

3. यह अधिक कल्ले निकलने, जड़ विकास और पोषक तत्वों की अवशोषण क्षमता को बढ़ाता हैं

4. इसके साथ ही पौधे को सूखे एवं रोग जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति प्रतिरोधकता भी प्रदान करता हैं ।

5. यह कोशिका विभाजन, बीज विकास और पोरियों / गाठें (Internodes)के विकास में मदद करता हैं

6. पौधों में शर्करा (Sugar) के परिवहन को नियंत्रित करता हैं

7.यह मिट्टी में पड़े जीवाणुओं को सक्रिय करता हैं मुख्यतः राइजोस्फियर (Rhizosphere) जीवाणु जो जड़ों के बेहतर विकास के लिए जरूरी होता हैं

उपयोग बिधि -

सभी फसलों में 10 किलोग्राम प्रतिएकड़ (प्रथम बार-बुआई से 25-30 दिन बाद, दूसरी बार -प्रथम बार उपयोग से 30 दिन बाद)

बाग वाली फसलों में 100-150 ग्राम प्रति पेड़ ।